डी. बी. एफ. दयानंद कला एवं शास्त्र महाविद्यालय, सोलापुर

विषय : हिंदी

बी.ए. भाग–1

SEM-I Hindi Optional-I

- **PROGRAM - B. A. Hindi**
- **PROGRAM OUTCOME -**

1. आधुनिक जनसंचार माध्यमों में हिंदी के बढ़ते प्रयोग एवं संभावनाओं से छात्र अवगत हो जाते हैं।
2. हिंदी भाषा के ज्ञान के आधार पर रोजगार के विविध अवसरों से छात्र परिचित हो जाते हैं।
3. छात्र हिंदी स्नातक उपाधि पाने के पश्चात स्नातकोत्तर उपाधि, हिंदी अनुवाद पदविका पाठ्यक्रम, पत्रकारिता पदवी के लिए, शिक्षणशास्त्र (बी.एड्.)उपाधि आदि विभिन्न उपाधि के लिए प्रवेश पा सकते हैं।
4. छात्र हिंदी स्नातक उपाधि पाने के पश्चात राजभाशा पद के रुप में नौकरी पा सकते हैं।
5. छात्र हिंदी स्नातक उपाधि पाने के पश्चात राज्य सरकार तथा केंद्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों में हिंदी सहायक के रुप रोजगार पा सकते हैं।
6. छात्र हिंदी स्नातक उपाधि पाने के पश्चात समाचार पत्र–पत्रिका, दैनिक समाचार संस्था, दूरदर्शन, रेडिओ आदि में रेडिओ जॉकी, निवेदक, संवाददाता, प्रुफ भाोधक आदि के रुप अवसर पा सकते हैं।
7. राज्य सरकार तथा केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न स्पर्धात्मक परीक्षा के लिए हिंदी माध्यम का चयन कर सकते हैं।

❖ **SPECIFIC OUTCOME-**

1. हिंदी भाषा के छात्र हिंदी भाषा के महान साहित्य परंपरा से परिचित हो जाते हैं।
2. छात्रों मे आलोचना अध्ययन करने की क्षमता जागृत होती है ।
3. छात्र हिंदी की प्रादेशिक बोलियों से परिचित हो जाते हैं ।
4. छात्रों में हिंदी भाषा में व्यवहार /वार्तालाप करने की क्षमता अधिक विकसित होती है।
5. छात्रों को साहित्य के द्वारा नैतिक मूल्यों को अपने जीवन उतारने की प्रेरणा मिलती है।
6. छात्र भाषाविज्ञान की विभिन्न संकल्पना से परिचित हो जाते हैं।
7. भाषा की शुद्धता के प्रति छात्र जागृत हो जाते हैं।
8. छात्र साहित्य की विचारधारा से परिचित हो जाते हैं।

डी. बी. एफ. दयानंद कला एवं शास्त्र महाविद्यालय, सोलापुर

सन 2017–18
विषय : हिंदी
बी.ए. भाग–1
SEM-I Hindi Optional-I

4.Course outcomes-

B.A-I	Syllabus Topic	Objectives	Topic outcome
SEM-I	साहित्य रंग		
Hindi Opt. प्रश्नप्रत्र क्र–1 साहित्य रंग	गद्य विभाग 1.कफन (कहानी)–प्रेमचंद 2. परमात्मा का कुत्ता (कहानी)–मोहन राकेश 3. रजिया (रेखाचित्र)– रामवृक्ष बेनीपुरी	1. उत्तरशती की हिंदी कहानियों से छात्रों को अवगत कराना।	1.छात्र कृश्णा सोबती के कृतित्व उनकी साहित्य प्रेरणा तथा उनके उपन्यास में प्रस्तुत नारी के विविध रुपों के द्वारा नारी चेतना को समझाना।
	4.यहाँ रोना मना है – (एकांकी) ममता कालिया 5. नाखुन क्यों बढ़ते हैं ?(निबंध) –हजारीप्रसाद व्दिवेदी	2. समकालीन परिवेश और जीवन यथार्थ से परिचित करना।	2.समय–सरगम की कथावस्तु , उपन्यास में चित्रित पात्रों का चरित्र –चित्रण, संवाद भौली, भाशा, उपन्यास में प्रस्तुत, धार्मिक,सामाजिक ,राजनीतिक , सांस्कृतिक परिवे”ा को छात्र समझता है।
	पद्य विभाग 1. दोहे 10–कबीर 2. पद 02 – मीराबाई 3. पाशाणी– नागार्जुन 4. गजल– दुश्यंतकुमार 5. पिता का चेहरा – कुमार अंबुज 6. जिंदाबाद– अरूण कमल	3. आधुनिकताबोध और नए मूल्यों के प्रति देखने का नजरिया विकसित करना।	3.छात्र उपन्यास में प्रस्तुत उद्दे”ा को समझता हैं।
	व्याकरण 1. कारक 2. लिंग 3. वचन	4. कहानी कला के प्रति अभिरुचि और समीक्षा दृश्टि विकसित करना।	4.छात्र उपन्यास में चित्रित संवाद, देशकाल वातावरण को समझता हैं।

डी. बी. एफ. दयानंद कला एवं शास्त्र महाविद्यालय, सोलापुर

सन 2017–18

विषय : हिंदी

बी.ए. भाग–1

SEM-I Hindi Compulsory -I

4.Course outcomes-

B.A-I	Syllabus Topic	Objectives	Topic outcome
SEM-II	साहित्य सुधा		
Hindi Opt. प्रश्नप्रत्र क्र–1 साहित्य सुधा	गद्य विभाग 1.पूस की रात (कहानी)–प्रेमचंद 2. चीफ की दावत (कहानी)–भीश्म साहानी 3. रूपा की आजी (रेखाचित्र)– रामवृक्ष बेनीपुरी	1. उत्तरशती की हिंदी कहानियों से छात्रों को अवगत कराना।	1.छात्र कृश्णा सोबती के कृतित्व उनकी साहित्य प्रेरणा तथा उनके उपन्यास में प्रस्तुत नारी के विविध रुपों के द्वारा नारी चेतना को समझाना।
	4. सबिया – (संस्मरण) महादेवी वर्मा 5. पगडंडियों का जमाना (निबंध) –हरि"ांकर परसाई	2. समकालीन परिवेश और जीवन यथार्थ से परिचित करना।	2.समय–सरगम की कथावस्तु , उपन्यास में चित्रित पात्रों का चरित्र –चित्रण, संवाद भौली, भाशा, उपन्यास में प्रस्तुत, धार्मिक,सामाजिक ,राजनीतिक , सांस्कृतिक परिवे"ा को छात्र समझता है।
	पद्य विभाग 7. दोहे 10–कबीर 8. पद 02 – सूरदास 9. वह तोड़ती पत्थर – निराला 10. जो बीत गई –हरिवं"ाराय बच्चन 11. पोस्टर और आदमी – सर्वे"वरदयाल सक्सेना 12.जिंदाबाद– अरूण कमल	3. आधुनिकताबोध और नए मूल्यों के प्रति देखने का नजरिया विकसित करना।	3.छात्र उपन्यास में प्रस्तुत उद्दे"ा को समझता हैं।
	व्याकरण 4. पारिभाशिक भाब्दावली 5. अनुवाद(अंग्रेजी और मराठी वाक्यों का हिंदी में अनुवाद) 6. वाक्य भाुध्दिकरण	4. कहानी कला के प्रति अभिरुचि और समीक्षा दृश्टि विकसित करना।	4.छात्र उपन्यास में चित्रित संवाद, दे"ाकाल वातावरण को समझता हैं।

डी. बी. एफ. दयानंद कला एवं शास्त्र महाविद्यालय, सोलापुर

सन 2017–18

विषय : हिंदी

बी.ए. भाग–1

SEM-II Hindi Optional-II

4.Course outcomes-

B.A-I	Syllabus Topic	Objectives	Topic outcome
SEM- II	साहित्य रंग		
Hindi Opt. प्रश्नप्रत्र क्र–2 साहित्य रंग	गद्य विभाग 1. उसने कहा था (कहानी)–चंद्रधर भार्मा गुलेरी 2. आदमी : जमाने का (कहानी)–हिमां"ाु जो"ाी 3. ठिठुरता हुआ गणतंत्र (व्यंग्य)– हरी"ांकर परसाई	1. उत्तर"ाती की हिंदी कहानियों से छात्रों को अवगत कराना।	1.छात्र कृश्णा सोबती के कृतित्व उनकी साहित्य प्रेरणा तथा उनके उपन्यास में प्रस्तुत नारी के विविध रुपों के द्वारा नारी चेतना को समझाना।
	4. जेल में विवाह (संस्मरण)– य"ापाल 5. बहता पानी निर्मल (यात्रावर्णन)–अज्ञेय	2. समकालीन परिवे"ा और जीवन यथार्थ से परिचित करना।	2.समय–सरगम की कथावस्तु , उपन्यास में चित्रित पात्रों का चरित्र –चित्रण, संवाद भौली, भाशा, उपन्यास में प्रस्तुत, धार्मिक,सामाजिक ,राजनीतिक , सांस्कृतिक परिवे"ा को छात्र समझता है।
	पद्य विभाग 1. रहीम 10 दोहे 2. सूरदास – 02 पद 3. गिरीजाकुमार माथुर – चूडी का टुकडा 4. केदारनाथ सिंह – आवाज 5. इब्बार रब्बी –आठ साल बाद 6. वीरेन डंगवाल – वन्या	3. आधुनिकताबोध और नए मूल्यों के प्रति देखने का नजरिया विकसित करना।	3.छात्र उपन्यास में प्रस्तुत उद्दे"ा को समझता हैं।
	व्याकरण 1. हिंदी वर्णमाला 2. वाक्य"ाुध्दिकरण 3. विराम चिहन	4. कहानी कला के प्रति अभिरुचि और समीक्षा दृश्टि विकसित करना।	4.छात्र उपन्यास में चित्रित संवाद, दे"ाकाल वातावरण को समझता हैं।

डी. बी. एफ. दयानंद कला एवं शास्त्र महाविद्यालय, सोलापुर

सन 2017–18

विषय : हिंदी

बी.ए. भाग–1

SEM-II Hindi Compulsory -II

4.Course outcomes-

B.A-I	Syllabus Topic	Objectives	Topic outcome
SEM-II	साहित्य सुधा		
Hindi Opt. प्र"नप्रत्र क्र–2 साहित्य सुधा	गद्य विभाग 1.सजा (कहानी)–मन्नू भंडारी 2. रोज (कहानी)– अज्ञेय 3. कथा केरल की (यात्रावृत)– अमृतराय	1. उत्तर"ाती की हिंदी कहानियों से छात्रों को अवगत कराना।	1.छात्र कृश्णा सोबती के कृतित्व उनकी साहित्य प्रेरणा तथा उनके उपन्यास में प्रस्तुत नारी के विविध रुपों के द्वारा नारी चेतना को समझाना।
	4. स्मृति की रेखाएँ – (संस्मरण) महादेवी वर्मा 5. माता का स्नेह (निबंध) –बालकृश्ण भट्ट	2. समकालीन परिवे"ा और जीवन यथार्थ से परिचित करना।	2.समय–सरगम की कथावस्तु , उपन्यास में चित्रित पात्रों का चरित्र –चित्रण, संवाद भौली, भाशा, उपन्यास में प्रस्तुत, धार्मिक,सामाजिक ,राजनीतिक , सांस्कृतिक परिवे"ा को छात्र समझता है।
	पद्य विभाग 13. दोहे 10–रहीम 14. पद 02 – मीराबाई 15. ताज– सुमित्रानंदन पंत 16. मेरा जीवन – सुभद्राकुमारी चौहान 17. बीस साल बाद – धूमिल	3. आधुनिकताबोध और नए मूल्यों के प्रति देखने का नजरिया विकसित करना।	3.छात्र उपन्यास में प्रस्तुत उद्दे"ा को समझता हैं।
	व्याकरण 7. मुहावरे 50 8. लोकोक्तियाँ 25 9. हिंदी वर्णमाला	4. कहानी कला के प्रति अभिरुचि और समीक्षा दृश्टि विकसित करना।	4.छात्र उपन्यास में चित्रित संवाद, दे"ाकाल वातावरण को समझता हैं।

डी. बी. एफ. दयानंद कला एवं शास्त्र महाविद्यालय, सोलापुर

सन 2017–18

विषय : हिंदी

बी.ए. भाग–2

SEM-III Paper- III

4.Course outcomes-

B.A-II	Syllabus Topic	Objectives	Topic outcome
SEM-III आधुनिक गद्य – कहानी एवं व्यावहारिक हिंदी			
Hindi Opt. प्र"नप्रत्र क्र– 3 आधुनिक गद्य –कहानी एवं व्यावहारिक हिंदी	इकाई 1 1.डिप्टी कलेक्टर – अमरकांत 2. दुनियाकी सबसे हसीन औरत–संजीव 3. इक्कीसवीं सदी का पेड़ –मृदुला गर्ग	1. उत्तर"ाती की हिंदी कहानियों से छात्रों को अवगत कराना।	1.छात्र कृश्णा सोबती के कृतित्व उनकी साहित्य प्रेरणा तथा उनके उपन्यास में प्रस्तुत नारी के विविध रुपों के द्वारा नारी चेतना को समझाना।
	इकाई 2 4. फैसला – मैत्रेयी पुश्पा 5. ख्वाजा, ओ मेरे तार 6. बली– ि"वमूर्ति	2. समकालीन परिवे"ा और जीवन यथार्थ से परिचित करना।	2.समय–सरगम की कथावस्तु , उपन्यास में चित्रित पात्रों का चरित्र –चित्रण, संवाद भौली, भाशा, उपन्यास में प्रस्तुत, धार्मिक,सामाजिक ,राजनीतिक , सांस्कृतिक परिवे"ा को छात्र समझता है।
	इकाई 3 7. आगे रास्ता बंद है –बिपिन बिहारी 8. संघर्श– सु"िला टाकभौर 9. दु"मन मेमना – ओमा भार्मा	3. आधुनिकताबोध और नए मूल्यों के प्रति देखने का नजरिया विकसित करना।	3.छात्र उपन्यास में प्रस्तुत उद्दे"ा को समझता हैं।
	इकाई 4 10. फुलवा – रत्नकुमार सांभारिया 11. बाजार में रामधन– कैला"ा बनवासी	4. कहानी कला के प्रति अभिरुचि आर समीक्षा दृश्टि विकसित करना।	4.छात्र उपन्यास में चित्रित संवाद, दे"ाकाल वातावरण को समझता हैं।

डी. बी. एफ. दयानंद कला एवं शास्त्र महाविद्यालय, सोलापुर

सन 2017–18

विषय : हिंदी

बी.ए. भाग–2

SEM-III Paper- IV

B.A-II	Syllabus Topic	Objectives	Topic outcome
SEM-III मध्यकालीन काव्य संपा. डॉ. रामजी तिवारी			
Hindi Opt. प्र"नप्रत्र क्र–4 मध्यकालीन काव्य संपा. डॉ. रामजी तिवारी	इकाई 1 1.डिप्टी कलेक्टर – अमरकांत 2. दुनियाकी सबसे हसीन औरत–संजीव 3. इक्कीसवीं सदी का पेड़ –मृदुला गर्ग	1. भक्तिकाल तथा रीतिकाल की सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक परिस्थिती एवं परिवे"ा को अवगत कराना।	1.छात्र कृश्णा सोबती के कृतित्व उनकी साहित्य प्रेरणा तथा उनके उपन्यास में प्रस्तुत नारी के विविध रुपों के द्वारा नारी चेतना को समझाना।
	इकाई 2 4. फैसला – मैत्रेयी पुश्पा 5. ख्वाजा, ओ मेरे तार 6. बली– ि"वमूर्ति	2. भक्तिकालीन काव्य में निर्गुण और सगुण भक्तिधारा के माध्यम से प्राचीन तथा मध्ययुगीन संस्कृति का अध्ययन करना।	2.समय–सरगम की कथावस्तु , उपन्यास में चित्रित पात्रों का चरित्र –चित्रण, संवाद भौली, भाशा, उपन्यास में प्रस्तुत, धार्मिक,सामाजिक ,राजनीतिक , सांस्कृतिक परिवे"ा को छात्र समझता है।
	इकाई 3 7. आगे रास्ता बंद है –बिपिन बिहारी 8. संघर्श– सु"िला टाकभौर 9. दु"मन मेमना – ओमा भार्मा	3. रीतिकालीन कविता के माध्यम से भृंगार एवं वीर इस की स्थापना का महत्व वि"ोद करना।	3.छात्र उपन्यास में प्रस्तुत उद्दे"ा को समझता हैं।
	इकाई 4 10. फुलवा – रत्नकुमार सांभारिया 11. बाजार में रामधन– कैला"ा बनवासी	4. रीतिकालीन काव्य के माध्यम से प्रेम भावना को अंकुचित रखना।	4.छात्र उपन्यास में चित्रित संवाद, दे"ाकाल वातावरण को समझता हैं।

डी. बी. एफ. दयानंद कला एवं शास्त्र महाविद्यालय, सोलापुर

सन–2017–18

विषय : हिंदी

बी.ए. भाग–2

SEM-IV Paper- V

4.Course outcomes-

B.A-II	**Syllabus Topic**	**Objectives**	**Topic outcome**
SEM-IV आधुनिक गद्य – उपन्यास एवं व्यावहारिक हिंदी			
Hindi Opt. प्र”नप्रत्र क्र–3 आधुनिक गद्य –उपन्यास एवं व्यावहारिक हिंदी	1. दौंड़ –ममता कालिया (उपन्यास)	1. आधुनिक हिंदी उपन्यास विधा से छात्रों को अवगत कराना। 2. समकालीन परिवे”ा और जे परिचित करना। 3. आधुनिकताबोध और नए मूल्यों के प्रति देखने का नजरिया विकसित करना। 4.कहानी कला के प्रति अभिरुचि और समीक्षा दृश्टि विकसित करना।	1.छात्र ममता कालिया के कृतित्व उनकी साहित्य प्रेरणा तथा उनके उपन्यास में आधुनिक युगबोध को समझाना। 2. दौंड़ उपन्यास की कथावस्तु , उपन्यास में चित्रित पात्रों का चरित्र –चित्रण, संवाद भौली, भाशा, उपन्यास में प्रस्तुत, धार्मिक,सामाजिक,राजनीतिक , सांस्कृतिक परिवे”ा को छात्र समझता है। 3.छात्र उपन्यास में प्रस्तुत उद्दे”ा को समझता हैं। 4.छात्र उपन्यास में चित्रित संवाद, दे”ाकाल वातावरण को समझता हैं।
	2. व्यावहारिक हिंदीः भाब्द संपदा अ) समानार्थक भाब्द (परि"ाश्ट के आधार पर) आ) विपरितार्थक भाब्द परि"ाश्ट के आधार पर) इ) अनेकार्थक (परि"ाश्ट के आधार पर) ई) वाक्यां”ा के लिए एक भाब्द परि"ाश्ट के आधार पर) उ) कहावतें और मुहावरे परि"ाश्ट के आधार पर)	छात्रों को व्याकरणिक दृश्टि से भाब्दों के विभिन्न जानकारी देना।	छात्र भाब्दों के समानार्थ , विपरितार्थक भाब्द, अनेकार्थक, वाक्यां”ा के लिए एक भाब्द, कहावतें और मुहावरे के बारे जानकारी प्राप्त करता है और हररोज के व्यवहार उसका उपयोग करता है ।

डी. बी. एफ. दयानंद कला एवं शास्त्र महाविद्यालय, सोलापुर

सन–2017–18

विषय : हिंदी

बी.ए. भाग–2

Course outcomes- **SEM-IV Paper- VI**

B.A-III	Syllabus Topic	Objectives	Topic outcome
SEM-IV हिंदी काव्य व्याकरण और लेखन (काव्यलोक)संपा. डॉ. अनिल सांळुखे डॉ. गिरी”ा का”ाद			
Hindi Opt. प्र”नप्रत्र क्र– 6 हिंदी काव्य व्याकरण और लेखन (काव्यलोक)	इकाई 1 1.”ािक्षा की अवस्था –मैथिली”ारण गुप्त 2. भिक्षुक– निराला 3. मोह– सुमित्रानंदन पंत 4. जाग तुझको दूर जाना है– महादेवी वर्मा 5. नीड़ का निर्माण – हरिवं”ाराय बच्चन 6. आग की भीख – दिनकर	1. हिंदी साहित्य के आधुनिक काल की पृश्ठभूमि को सन्मुख रखना।	1. छायावाद तथा प्रगतिवाद के माध्यम से प्रकृति, मानवी पीड़ा, संवेदना को समझता है।
	इकाई 2 7. सत्य– नागार्जुन 8. ताज महल की छाया में – अज्ञेय 9. मैं तुम लोगों से दूर हूँ – मुक्तिबोध 10. टूटा पहिया – धर्मवीर भारती 11. तुम्हारें पाँवों के नीचे कोई जमीन नहीं – दुश्यंत कुमार 12. विद्रोह – केदारनाथ सिंह अग्रवाल	2. छायावाद तथा प्रगतिवाद के माध्यम से प्रकृति, मानवी पीड़ा, संवेदना को सन्मुख रखना।	2.प्रगतिवादो काव्य के माध्यम से तत्कालीन सामाजिक , आर्थिक, राजनीतिक स्थिति से वर्तमान परिवे”ा को समझता है।
	इकाई 3 13. रोटी और संसद –धूमिल 14. माँ पर नहीं लिख सकता कविता – चंद्रकांत देवताले 15. लौ – अरूण कमल 16. कूड़ा बिनते बच्चे – अनामिका 17. आदिवासी लड़कियों के बारे में– निर्मल पुतुल 18.मलाला तुम मर नहीं सकती– कँवल भारती	3. स्वंतत्रता के प”चात की सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थिति के साथ साथ मानवी प्रकृतियों को द”ार्ाना।	आजादी के बाद समाज की वास्तविक स्थिति का चित्रण और व्यथा जानलेता है।
	इकाई 4 व्याकरण व लेखन 1. विराम चिह्नों का प्रयोग का सामान्य परिचय 2. प्रूफ भाोधन चिह्नों का सामान्य परिचय 3. म”ीनी अनुवाद 4. हिंदी वेब साईडस	4. छात्रों को विराम चिह्नों का प्रयोग का सामान्य परिचय, प्रूफ भाोधन चिह्नों का सामान्य परिचय, म”ीनी अनुवाद, हिंदी वेब साईडस आदि का सामान्य परिचय कराना ।	4.छात्र छात्रों को विराम चिह्नों का प्रयोग का सामान्य परिचय, प्रूफ भाोधन चिह्नों का सामान्य परिचय, म”ीनी अनुवाद, हिंदी वेब साईडस आदि का प्रयोग करना जानता है ।

डी. बी. एफ. दयानंद कला एवं शास्त्र महाविद्यालय, सोलापुर

सन 2017–18
विषय : हिंदी
बी.ए. भाग– 3

Course outcomes-

B.A-III	Syllabus Topic	Objectives	Topic outcome
SEM-V विशे"ा लेखिका हिंदी : कृश्णा सोबती (बदलों के घेरे–कहानी संग्रह)			
Hindi Special प्र"नप्रत्र क्र–07 विशे"ा लेखिका हिंदी (बदलों के घेरे – कहानी संग्रह)	इकाई 1 1. कृश्णा सोबती का व्यक्तित्व 2. कृश्णा सोबती में स्त्री विम"र्ा। 3. कृश्णा सोबती के कहानी साहित्य की वि"ोशताएँ	1.लेखिका की बहुमुखी प्रतिभा से परिचित कराना ।	1.छात्र लेखिका कृश्णा सोबती के जीवन चरित्र से परिचित होते है।
	इकाई 2 1.बादलों के घेरे 2. दादी–अम्मा 3. भोले बाद"ाह	2. लेखिका की साहित्यक स्थान को निर्धारित करना।	2. छात्र लेखिका कृश्णा सोबती के साहित्य में चित्रित नारी जीवन से संबंधित समस्याओं को जान लेता है।
	इकाई 3 4.बहनें 5.बदली बरस गई 6. गुलाब जल गॅंड़ेरिया	3. लेखिका की साहित्य से परिचित कराना।	3.छात्र कृश्णा सोबती के कहानी साहित्य की वि"ोशताएँ समझता हैं।
	इकाई 4 7. कुछ नहीं – कोई नहीं 8. दोहरी सॉझ 9. जिगरा की बात 10. सिक्का बदल गया	4. लेखिका की विचारधारा से परिचित कराना। 5. लेखिका के निर्धारित ग्रंथों का सूक्ष्म आलोचनात्मक अध्ययन कराना।	4.छात्र कृश्णा सोबती के विभिन्न कहानी चित्रित मानवीय संवेदना से छात्र परिचित हो जाते हैं।

डी. बी. एफ. दयानंद कला एवं शास्त्र महाविद्यालय, सोलापुर

सन 2017–18
विषय : हिंदी
बी.ए. भाग– 3

Course outcomes-

B.A-III	Syllabus Topic	Objectives	Topic outcome
SEM-V प्र"नपत्र क्र–8 काव्य"ाास्त्र			
Hindi Special प्र"नपत्र क्र–8 काव्य"ाास्त्र	इकाई अ) साहित्य 1.परिभाशा , तत्व, प्रेरणा तथा प्रयोजन (भारतीय तथा पा"चात्य) 2. भाब्द–"ाक्ति : स्वरुप , भाब्द–"ाक्ति के भेद , अभिधा, लक्षणा और व्यंजना का सामान्य परिचय ।	1.साहित्य निर्मिती का बोध करना। भाब्दों को भाक्ति को समझाना।	1.छात्र साहित्य के उपकरण बिंब विधान, मिथक,प्रतीक , फंतासी को समझाता है।
	इकाई आ) काव्यभेद 1.महाकाव्य(भारतीय तथा पा"चात्य तत्व) 2.प्रगीत और उसकी वि"ोशताएँ । 3. गजल का सामान्य परिचय।	2. साहित्य/ काव्यभेदों को अवगत कराना ।	2. छात्र आलोचना की परिभाशा, स्वरुप, आलोचक के गुण तथा आलोचना पध्दति को समझाता है।
	इकाई इ) गद्यभेद 1.नाटक–परिभाशा, पा"चात्य तत्व 2. उपन्यास–परिभाशा, तत्व 3. कहानी– एकांकी ,निबंध, आत्मकथा , जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज का परिचय।	3. साहित्य की नवीन विधाओं का सामान्य परिचय कराना । 4.गद्य तथा पद्य के तत्वों को समझाना ।	3. छात्र रस की परिभाशा, रस के अंग, तथा रस के भेद और रसानुभूति की प्रक्रिया समझता है।
	इकाई इ) अलंकार 1.भाब्दालंकार –अनुप्रास, यमक, भलेश । 2. अर्थालंकार– उपमा, रूपक , अति"ायोक्ति (परिभाशा तथा उदाहरण अपिक्षेत है, उपभेद अपिक्षेत नहीं हैं।)	4.अंलकारों को अवगत कराना।	4. छात्र छंदों के विभिन्न भेद को सोदाहारण जानकारी प्राप्त करता है।

डी. बी. एफ. दयानंद कला एवं शास्त्र महाविद्यालय, सोलापुर

सन 2017–18
विषय : हिंदी
बी.ए. भाग– 3

Course outcomes-

B.A-III	Syllabus Topic	Objectives	Topic outcome
SEM-V प्र"नप्रत्र क्र–9 आदिकालीन और मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास (संवत 1050 से 1900 तक)			
Hindi Special प्र"नप्रत्र क्र–9 आदिकालीन और मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास (संवत 1050 से 1900 तक)	इकाई अ) आदिकाल 1.आदिकाल की सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियाँ 2. आदिकालीन साहित्य की वि"ोशताएँ। 3. प्रतिनिधि रचनाकार : अमीर खुसरों , विद्यापति । प्रतिनिधि रचनाकार :पृथ्वीराज रासो, बीसलदेव रासो ।	1. हिंदी साहित्य की दा"र्ानिक पूर्व पीठिका से परिचय कराना। 2.हिंदी साहित्य के आदिकालीन और मध्यकालीन कालजयी रचना तथा रचनाकारों का सामान्य परिचय कराना।	1. छात्र हिंदी साहित्य की दा"र्ानिक पूर्वपीठिका में बौध्द ,वैदिक, जैन, एवं इस्लाम द"र्ान के प्रभाव को जान लेता है।
	इकाई इ) भक्तिकाल 1.भक्तिकाल की सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थिति । 2. निर्गुण भक्तिकाव्यधारा : अ) ज्ञानाश्रयी भााखा की वि"ोशताएँ, कबीर का सामान्य परिचय। ब) प्रेमाश्रयी भााखा की वि"ोशताएँ, जाससी का सामान्य परिचय। 3.सगुण भक्तिकाव्यधारा : अ)राम भक्तिभााखा की वि"ोशताएँ, तुलसीदास का सामान्य परिचय। ब) कृश्णभक्ति भााखा की वि"ोशताएँ, सूरदास का सामान्य परिचय। 4) प्रमुख रचनाकार : रैदास, मीराबाई।	2. हिंदी साहित्य के इतिहास का परिचयात्मक अध्ययन परिचय कराना।	2.छात्र हिंदी साहित्य के भक्तिकाल के विभिन्न ज्ञान "ााखाओं की वि"ोशताएँ तथा महत्व जान लेता है।
	इकाई इ) 1. रीतिकाल की राजनीतिक एवं सामाजिक परिस्थितियाँ। 2. रीतिकालीन साहित्य की वि"ोशताएँ। 3. प्रमुख रचनाकार : के"ावदास, भूशण, बिहारी, घनानंद।	3. हिंदी साहित्य के रीतिकालीन रचनाकारों का सामान्य परिचय कराना। 4.हिंदी साहित्य के इतिहास के कालानुरुप विकास का अध्ययन।	3.छात्र रीतिकाल की राजनीतिक एवं सामाजिक परिस्थितियाँ, तथा रचनाकारों का स्थान जान लेता है।

डी. बी. एफ. दयानंद कला एवं शास्त्र महाविद्यालय, सोलापुर

सन 2017–18

विषय : हिंदी

Course outcomes- बी.ए. भाग– 3

B.A-III	Syllabus Topic	Objectives	Topic outcome
SEM-V प्र"नप्रत्र क्र–10 प्रयोजनमूलक हिंदी			
Hindi Special प्र"नप्रत्र क्र–10 प्रयोजनमूलक हिंदी	इकाई 1 प्रयोजनमूलक हिंदी 1. अर्थ , परिभाशा एवं स्वरुपगत वि"ोशताएँ 2.प्रयोजनमूलक हिंदी के व्यवहार क्षेत्र 3.प्रयुक्तियाँ 4.उपादेयता और चुनौतियॉ	1. प्रयोजनमूलक हिंदी के स्वरुप एवं विकास से छात्रों को परिचित कराना।	1. प्रयोजनमूलक अर्थ, परिभाशा , वि"ोशता एवं उसके व्यवहार क्षेत्र तथा कामकाज में महत्व छात्र समझता है।
	इकाई 2 जनसंचार माध्यम 1.समाचार लेखन के तत्व 2.समाचार लेखन के प्रकार 3. पटकथा लेखन 4. नवइलेक्ट्रानिक माध्यमः ई मेल, वीडियो कॉन्फरसिंग, ब्लॉग 5.वृत्तांत लेखन (सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक , भौक्षिक) संदर्भ पर	2.आधुनिक जनसंचार माध्यमों में हिंदी के बढ़ते प्रयोग एवं संभावनाओं से छात्रों को परिचित कराना।	2.छात्र समाचार लेखन के तत्व और समाचार लेखन के गुण समझ लेता है। 3. पटकथा लेखन, नव इलेक्ट्रानिक माध्यम जैसे ई–मेल वीडियों कॉन्फरसिंग और ब्लॉग आदि का ि"ाक्षा का क्षेत्र में उसका महत्व समझ लेता है ।
	इकाई 3 संदर्भ स्त्रोत 1. को"ा ग्रंथों का सामान्य परिचय 2. पारिभाशिक भाब्दावलीः सामान्य परिचय, प्रकार एवं महत्त्व 3.हिंदी पोर्टल और वेबसाइट 4.हिंदी भाशा और लिपि के संसाधन 5. हिंदी विकिपिडिया	3.हिंदी के प्रयोग के प्रति रुचि जगाकर पत्राचार संबंधी क्षमता विकसित कराना ।	4.छात्र को"ा ग्रंथों का उपयोग, पारिभाशिक भाब्दावली , पोर्टल और वेबसाइट उसकी सामान्य परिचय, लिपि के संसाधन , हिंदी विकिपिडिय प्रकार,एवं महत्व को समझ लेता है।
	इकाई 4 कार्यालयीन पत्राचार 1.कार्यालयीन पत्राचार : स्वरुप एवं प्रकार 2. नौकरी के लिए आवेदन पत्र । 3. पदाधिकारियों के नाम । 4. अधिसूचना 5. सरकारी पत्र	4.कार्यायीन एवं पत्राचार से छात्रों को अवगत कराना। 5. प्रयोजनमूलक हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियों से छात्रों को अवगत कराना। 6. प्रयोजनमूलक हिंदी के माध्यम से रोजगारपरक कौ"ाल्य को विकसित कराना।	5. छात्र कार्यालयीन पत्राचार के विभिन्न प्रकार एवं उसके लेखन की पध्दति को दैनंदिन व्यवहार में उसकी उपादेयता को समझता है।

डी. बी. एफ. दयानंद कला एवं शास्त्र महाविद्यालय, सोलापुर

सन 2017–18

विषय : हिंदी

Course outcomes-

बी.ए. भाग– 3

B.A-III	Syllabus Topic	Objectives	Topic outcome
SEM-V प्र"नप्रत्र क्र–11 हिंदी भाशा			
Hindi Special प्र"नप्रत्र क्र–11 हिंदी भाशा	इकाई 1 हिंदी भाशा 1. भाशा की परिभाशा एवं उसकी वि"ोशताएँ। 2. भाशा के विविध रुप :– बोली, परिनिश्ठित भाशा, राजभाशा , राश्ट्रभाशा । (प्रात्यक्षिक :– केंद्र सरकार के किसी क्षेत्रीय कार्यालय में राजभाशा हिंदी की कार्यप्रणाली का निरीक्षण)	1.हिंदी भाशा का सामान्य कराना।	1. भाशा की परिभाशा , वि"ोशता के साथ , भाशा के विविध रुपों जैसे–बोली, परिनिश्ठित भाशा, राजभाशा एवं राश्ट्रभाशा की जानकरी उसका महत्व छात्र समझ लेता है।
	इकाई 2 भाशा विकास और उसके वाद 1.भाारीरिक विभिन्नतावाद, भौगोलिक विभिन्नतावाद, सांस्कृतिक विभिन्नतावाद, प्रयत्न लावघ।	2. भाशा के विविध रूपो का परिचय कराना ।	2. भाशा विकास और उसके प्रमुख वाद छात्र समझ लेता है।
	इकाई 3 हिंदी भाशा 1. हिंदी भाब्द की व्यत्पत्ति एवं हिंदी भाशा उद्भव और विकास। 2.हिंदी की प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय– ब्रज, अवधी, मैथिली, भोजपुरी ,खड़ीबोली।	3. हिंदी भाशा एवं लिपि के उद्भव और विकास का परिचय कराना।	3.छात्र हिंदी भाशा एवं लिपि के उद्भव, विकास तथा हिंदी की प्रमुख बोलियों का महत्व जान लेते है।
	इकाई 4 हिंदी भाब्द समूह और देवनागरी लिपि 1. हिंदी भाब्द समूह–तत्सम, तद्भव, दे"ाज, विदे"ाी भाब्दों का सोदाहरण परिचय। 2. देवनागरी लिपि की वि"ोशताएँ ।	4. भाशा की भाुध्दता के प्रति छात्रों को जागृत कराना । 5.मानक हिंदी वर्तनी और व्याकरण से छात्रों को परिचित कराना।	4. छात्र हिंदी भाब्द समूह और देवनागरी लिपि की वि"ोशताएँ समझ लेते है।

डी. बी. एफ. दयानंद कला एवं शास्त्र महाविद्यालय, सोलापुर

सन 2017–18
विषय : हिंदी
बी.ए. भाग– 3

Course outcomes-

B.A-III	Syllabus Topic	Objectives	Topic outcome
SEM-VI समय–सरगमः कृश्णा सोबती (उपन्यास)			
Hindi Special प्र"नप्रत्र क्र–12 (उपन्यास)	इकाई 1 1. कृश्णा सोबती का कृतित्व 2. कृश्णा सोबती के साहित्य की प्रेरणा ।	1.लेखिका की बहुमुखी प्रतिभा से परिचित कराना ।	1.छात्र कृश्णा सोबती के कृतित्व उनकी साहित्य प्रेरणा तथा उनके उपन्यास में प्रस्तुत नारी के विविध रुपों के द्वारा नारी चेतना को समझाना।
	इकाई 2 समय–सरगम उपन्यास की कथा– वस्तु का विवेचन	2. लेखिका की साहित्यक स्थान को निर्धारित करना।	2.समय–सरगम की कथावस्तु , उपन्यास में चित्रित पात्रों का चरित्र –चित्रण, संवाद भौली, भाशा, उपन्यास में प्रस्तुत, धार्मिक,सामाजिक ,राजनीतिक , सांस्कृतिक परिवे"ा को छात्र समझता है।
	इकाई 3 समय–सरगम उपन्यास के पात्र का चरित्र–चित्रण	3. लेखिका की साहित्य की प्रेरणाओं से परिचित कराना।	3.छात्र उपन्यास में प्रस्तुत उद्दे"ा को समझता हैं।
	इकाई 4 समय–सरगम उपन्यास के संवाद तथा दे"ाकाल वातावरण	4. लेखिका की कृतित्व से परिचित कराना।	4.छात्र उपन्यास में चित्रित संवाद, दे"ाकाल वातावरण को समझता हैं।
	इकाई 5 समय–सरगम उपन्यास की भाशा'ौली तथा दे"ाकाल वातावरण ।	5. लेखिका के निर्धारित ग्रंथों में चित्रित नारी चेतना से अवगत कराना।	5.छात्र उपन्यास में प्रस्तुत भाशा'ौली को समझता हैं।

डी. बी. एफ. दयानंद कला एवं शास्त्र महाविद्यालय, सोलापुर

सन 2017–18
विषय : हिंदी
बी.ए. भाग– 3

Course outcomes-

B.A-III	Syllabus Topic	Objectives	Topic outcome
SEM-VI प्र"नप्रत्र क्र–13 आलोचना			
Hindi Special प्र"नप्रत्र क्र–13 आलोचना	इकाई अ) साहित्य के उपकरण 1) बिंब विधान 2) मिथक 3) प्रतीक 4) फंतासी (फैंटेसी) का सामान्य परिचय	1.छात्रों को साहित्य के उपकरणों को समझाना ।	1.छात्र साहित्य के उपकरण बिंब विधान, मिथक,प्रतीक , फंतासी को समझाता है। ।
	इकाई आ) आलोचना 1.आलोचना की परिभाशा , स्वरुप, आलोचक के गुण 2.आलोचना के प्रकार 1) व्याख्यात्मक 2) ऐतिहासिक 3)तुलनात्मक 4) मार्क्सवादी 3.स्त्री विम"र्ा, किसान विम"र्ा, आदिवासी विम"र्ा, किन्नर विम"र्ा, दलित विम"र्ा का सामान्य परिचय ।	2. आलोचना के माध्यम से विभिन्न रचनाओं के आलोचना पध्दति तथा विभिन्न विम"र्ा को समझाना। साहित्य के मूल्य , गुणों को पहचानना ।	2. छात्र आलोचना की परिभाशा, स्वरुप, आलोचक के गुण तथा आलोचना पध्दति को समझाता है।
	इकाई इ) रस 1.रस की परिभाशा 2. रस के अंगों का सामान्य परिचय 3. रस के भेद – भृंगार , वीर, करुण, अद्भुत, भयानक , रौद्र, बीभत्स, हास्य, भांत रस का सोहदारण परिचय।	3. रसानुभूति की प्रक्रिया समझाना।	3. छात्र रस की परिभाशा, रस के अंग, तथा रस के भेद और रसानुभूति की प्रक्रिया समझता है।
	इकाई इ) छंद 1.मात्रिक छंद,दोहा, सोरठा तथा चौपाई। 2.वर्णिक छंद, इंद्रवज्रा, ि"खारिणी तथा मंदाक्रांता (लक्षण तथा उदाहरण अपिक्षेत है, उपभेद अपिक्षेत नहीं हैं।)	4. छंदों का परिचय कराना।	4. छात्र छंदों के विभिन्न भेद को सोदाहारण जानकारी प्राप्त करता है।

डी. बी. एफ. दयानंद कला एवं शास्त्र महाविद्यालय, सोलापुर

सन 2017–18
विषय : हिंदी
बी.ए. भाग– 3

Course outcomes-

B.A-III	Syllabus Topic	Objectives	Topic outcome
SEM-VI प्र"नपत्र क्र–14 आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 1900–से 2010)			
Hindi Special प्र"नपत्र क्र–14 आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 1900–से 2010)	इकाई अ) आधुनिक हिंदी साहित्य की दा"र्ानिक पृश्ठभूमि –गांधीवाद, फुले–आंबेडकरवाद, मार्क्सवाद, मनोवि"लेशणवाद ।	1. आधुनिक हिंदी साहित्य की दा"र्ानिक पूर्व पीठिका से परिचय कराना। आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास के कालानुरुप विभिन्न वाद एवं विधाओं के विकास का अध्ययन कराना।	1. छात्र आधुनिक हिंदी साहित्य की दा"र्ानिक पूर्व पीठिका पर गांधीवाद, फुले–आंबेडकरवाद, मार्क्सवाद, मनोवि"लेशणवाद के प्रभाव को जान लेता है।
	इकाई आ) आधुनिक साहित्य का परिचयः 1.पद्य विभाग – आधुनिक काव्यधाराओं का उद्भव और विकास – छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, हिंदी स्त्रीवादी कविता, हिंदी दलित कविता । 2.गद्य विभाग– आधुनिक गद्य विधाओं का उद्भव और विकास –उपन्यास, कहानी, नाटक, आत्मकथा, रेखाचित्र।	2. आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास का परिचयात्मक अध्ययन परिचय कराना।	2.छात्र आधुनिक काव्यधाराओं का उद्भव और विकास –छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, हिंदी स्त्रीवादी कविता, हिंदी दलित कविता,उपन्यास, कहानी, नाटक, आत्मकथा, रेखाचित्र आदि को समझ लेता है।
	इकाई इ) रचनाकारों का सामान्य परिचय– प्रेमचंद, मोहन राके"ा, सु"ीला टाकभौरे, हबीब तनवीर, चंद्रसेन विराट ।	3. आधुनिक हिंदी साहित्य के रचनाकरों का सामान्य परिचय कराना।	3.छात्र आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रेमचंद, मोहन राके"ा, सु"ीला टाकभौरे, हबीब तनवीर, चंद्रसेन विराट आदि रचनाकरों का सामान्य जीवन जान लेता है।

डी. बी. एफ. दयानंद कला एवं शास्त्र महाविद्यालय, सोलापुर

सन 2017–18
विषय : हिंदी
बी.ए. भाग– 3

Course outcomes-

B.A-III	Syllabus Topic	Objectives	Topic outcome
SEM-VI प्र"नपत्र क्र–15 व्यावहारिक हिंदी			
Hindi Special प्र"नपत्र क्र–15 व्यावहारिक हिंदी	इकाई 1 अनुवाद 1.अनुवाद : अर्थ , परिभाशा, प्रकार 2.अनुवादक के गुण 3.सफल अनुवाद की वि"ोशताएँ 4.व्यावहारिक अनुवाद (मराठी/ अंग्रेजी परिच्छेद का हिंदी में अनुवाद)	1. अनुवाद का स्वरुप और महत्त्व से अवगत कराना।	1. छात्र अनुवाद अर्थ, परिभाशा , सफल अनुवाद की वि"ोशताएँ को जान लेता है।
	इकाई 2 विज्ञापन 1.विज्ञापनः परिभाशा एवं प्रकार , 2.विज्ञापन के तत्त्व 3. विज्ञापन का महत्त्व 4. विज्ञापन लेखन (विशय या चित्र के आधार पर)	2.विज्ञापन की दुनिया और व्यवहार से परिचित कराना। 3.अनुवाद और विज्ञापन के स्वरुप को परिचित कराना तथा अनुवाद और विज्ञापन लेखन की क्षमता विकसित करना।	2. छात्र विज्ञापन अर्थ, परिभाशा , विज्ञापन के तत्व को समझ लेता है।
	इकाई 3 वाणिज्य पत्राचार 1.वाणिज्य पत्राचार : स्वरुप एवं प्रकार 1. पूछताछ पत्र 2. क्रयादे"ा पत्र 3. भुगतान पत्र 4. ि"ाकायती पत्र	4. वाणिज्यक पत्राचार से छात्रों अवगत कराना ।	3. छात्र वाणिज्य पत्राचार का स्वरुप, प्रकार एवं उसके लेखन पध्दति को समझ जान लेता है।
	इकाई 4 वाणिज्य –वित्त व्यवहार 1.ई. सेवा ,महाईसेवा, किसान ई सेवा, 2. ऑनलाईन ॲप्लिके"ान, (आवेदन) – एमपीएससी, यूपीएससी, रेल्वे रिक्रुटमेंट, स्टॉफ सिलेक"ान कमी"ान आदि । 3. ई–बैंकिग : इंटरनेट बैंकिग, Cashless, transaction (नगदरहित व्यवहार) पेटीएम, भीम, तेज आदि । 4.आका"ावाणी , रेल, प्रेस, दूरद"ान, बैंक में प्रयुक्त प्रयोजनमूलक हिंदी (प्रत्यक्ष भेंट तथा निरीक्षण के आधार पर वृत्तांत लेखन)	5. दैनिक व्यवहार में प्रयुक्त प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रयोग से अवगत कराना। 6. प्रयोजनमूलक हिंदी के माध्यम से रोजगारपरक कौ"ाल को विकसित करना।	4. छात्र दैनिक व्यवहार में प्रयुक्त ई–वित्तीय व्यवहार का प्रयोग और महत्व को जान लेते है। 5. छात्र आका"ावाणी , रेल, प्रेस, दूरद"ान, बैंक में प्रयुक्त प्रयोजनमूलक हिंदी और उसके महत्व को जान लेते है।

डी. बी. एफ. दयानंद कला एवं शास्त्र महाविद्यालय, सोलापुर

सन 2017–18
विषय : हिंदी
बी.ए. भाग– 3

Course outcomes-

B.A-III	Syllabus Topic	Objectives	Topic outcome
SEM-VI प्र"नप्रत्र क्र–16 भाशाविज्ञान			
Hindi Special प्र"नप्रत्र क्र–16 भाशाविज्ञान	इकाई 1 भाशाविज्ञान 1.भाशाविज्ञान : भाशाविज्ञान की परिभाशा, भाशाविज्ञानः– विज्ञान है या कला? भाशाविज्ञान के अध्ययन के लाभ, भाशाविज्ञाान की व्याकरण के साथ तुलना।	1. भाशा के प्रति वैज्ञानिक दृश्टि प्रदान करना।	1. छात्र भाशाविज्ञान की परिभाशा और उसका महत्व छात्र समझ लेता है।
	इकाई 2 स्वनविज्ञान (ध्वनिविज्ञान) 1.स्वन का अर्थ , परिभाशा, भाशा ध्वनि, ध्वनिनियंत्र और उसकी कार्यप्रणाली (उच्चारण प्रक्रिया, स्वन गुण (ध्वनिगुण)	2. ध्वनि उच्चरण प्रक्रिया से परिचित कराना ।	2. छात्र ध्वनिविज्ञान और उसके उच्चारण प्रक्रिया समझ लेता है।
	इकाई 3 पदविज्ञान भाब्द और पद, पद और संबंधतत्व, संबंधत्व के प्रकार।	3. उच्चारण की भाध्दता के प्रति जागृत कराना।	3.छात्र पदविज्ञान और संबंध तत्व का महत्व जान लेते है।
	इकाई 4 वाणिज्य –वाक्यविज्ञान 1.वाक्य की परिभाशा, वाक्य की आव"यकताएँ, वाक्य के प्रकार ।	4. भाशाविज्ञान का सामान्य परिचय कराना।	4. छात्र वाक्यविज्ञान और उसकी आव"यकताएँ महत्व समझ लेते है।
	इकाई 5 अर्थविज्ञान भाब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दि"ाएँ, अर्थ परिवर्तन के प्रमुख कारण।	5.पद और अर्थ से परिचित कराना।	5. छात्र भाब्द, अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दि"ाएँ और अर्थ परिवर्तन के प्रमुख कारण जान लेते है।